Total No. of Questions - 10] [Total Pages : 2

(2022)

9370

M.A. Examination

SANSKRIT

(संस्कृत साहित्य का इतिहास)

Paper–XIV

(Semester–IV)

Time : Three Hours] [Max. Marks : Regular : 80 / Private : 100

परीक्षार्थी अपने उत्तरों को दी गयी उत्तर-पुस्तिका (40 पृष्ठ) तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त पृष्ठ जारी नहीं किया जाएगा।

नोट : प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम **एक** प्रश्न करना अनिवार्य है। सम्पूर्णतया किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड–क

1. महाकवि कालिदास के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए 'रघुवंश' का परिचय दीजिए। 16(20)

2. 'माघे सन्ति त्रयो गुणाः' कथन की सार्थकता को सोदाहरण स्पष्ट करें। 16(20)

3. 'नैषधीयचरितम्' महाकाव्य की कथावस्तु पर प्रकाश डालें। 16(20)

4. महर्षि वेदव्यास के कृतित्व का विस्तारपूर्वक उल्लेख करो। 16(20)

खण्ड–ख

5. रामायण पर आधारित महाकवि भास के नाटकों का परिचय दीजिए। 16(20)

6. 'उत्तरे रामचरिते भवभूतिर्विशिष्यते' कथन की सार्थकता को सोदाहरण स्पष्ट करें।

7. 'मुद्राराक्षसम्' तथा 'अभिज्ञानशाकुन्तलम्' नाटकों पर टिप्पणी कीजिए। 16(20)

खण्ड–ग

8. महाकवि जयदेव के व्यक्तित्व को दर्शाते हुए 'गीतगोविन्दम्' का परिचय दीजिए। 16(20)

9. 'ऋतुसंहार' की कथावस्तु पर प्रकाश डालें। 16(20)

10. भर्तृहरि के किन्हीं दो शतककाव्यों पर टिप्पणी कीजिए। 16(20)